रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

वर्ष 14 | अंक 3 | कुल पृष्ठ : 8 | मूल्य - 2 रु.

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

इंदौर प्रति मंगलवार, 9 जून 2026 से 15 जून 2026 तक

सशक्तिकरण की दिशा में सामूहिक प्रयास...

प्रधानमंत्री ने गिनाईं उपलब्धियां, कहा- तकनीक और पारदर्शिता ने गरीबों के जीवन में लाया बड़ा बदलाव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीब कल्याण से जुड़ी विभिन्न योजनाओं और पहलों के 12 वर्ष पूरे होने पर देशवासियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह अवधि करोड़ों लोगों के सशक्तिकरण और सामाजिक परिवर्तन की यात्रा का प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य केवल सहायता पहुंचाना नहीं, बल्कि गरीबों को आत्मनिर्भर और सक्षम बनाना रहा है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में कहा कि बीते वर्षों में गरीबों, वंचितों, महिलाओं, किसानों और समाज के कमजोर वर्गों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। उन्होंने कहा कि आवास, स्वच्छता, स्वास्थ्य, वित्तीय समावेशन, शिक्षा और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यापक काम हुआ है।

पीएम मोदी ने विशेष रूप से तकनीक की भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा, "यह भी खुशी की बात है कि गरीबों के जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में तकनीक ने अहम भूमिका निभाई है। DBT और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए लोगों तक मदद सीधे और पारदर्शी तरीके से पहुंच रही है। इससे लीकेज कम हुआ है और कार्यक्षमता बढ़ी है।"

ब्रिक्स कृषि सम्मेलन की तैयारियों को दिया गया अंतिम रूप, कलेक्टर शिवम वर्मा ने व्यवस्थाओं से जुड़े अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

आदित्य शर्मा

इंदौर में 9 से 13 जून तक आयोजित होने वाले ब्रिक्स देशों के महत्वपूर्ण कृषि सम्मेलन की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने शनिवार को रेसीडेंसी में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की। बैठक में सम्मेलन से जुड़ी व्यवस्थाओं, सुरक्षा, आवागमन, आवास, स्वच्छता, यातायात प्रबंधन तथा अतिथियों के स्वागत-सत्कार सहित अन्य सभी आवश्यक तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में एमडी मंडी श्री कुमार पुरुषोत्तम, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डॉ. परीक्षित झाड़े, किसान कल्याण विभाग के उप सचिव श्री रोहित सिसोनिया सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने निर्देश दिए कि सम्मेलन में शामिल होने वाले राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को सर्वोत्तम सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि यह आयोजन इंदौर तथा मध्यप्रदेश के लिए गौरव का विषय है, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए व्यवस्थाओं में किसी प्रकार की कमी न रहने दें। उन्होंने आयोजन स्थलों पर स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, चिकित्सा सुविधा, सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन की प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि 9 जून से प्रारंभ होने वाला यह सम्मेलन कृषि एवं कृषि से जुड़े विविध विषयों पर केंद्रित रहेगा। सम्मेलन में ब्रिक्स देशों के प्रतिनिधि कृषि नवाचार, खाद्य सुरक्षा, कृषि अनुसंधान, सतत कृषि विकास, आधुनिक तकनीकों तथा किसानों की आय वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श करेंगे। आयोजन के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्र, विशेषज्ञ चर्चाएं, प्रस्तुतियां तथा अनुभव साझा करने के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे कलेक्टर श्री वर्मा ने संबंधित अधिकारियों को सभी व्यवस्थाओं का समयबद्ध परीक्षण करने तथा सम्मेलन के सफल संचालन के लिए निर्धारित जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

अधिकारी मैदान पर जाकर कार्य करें और सतत् निगरानी रखें-संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े

इंदौर दुग्ध संघ दूध उत्पादकों से घर-घर जाकर दूध संग्रह करें

किसानों के हित में राज्य शासन द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं को लाभ मिले

दूध उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु पशुपालकों के बीच डॉ. भीमराव अम्बेड़कर कामधेनु योजना का प्रचार-प्रसार करें

संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में रबी 2025-26 एवं खरीफ 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित

आदित्य शर्मा

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज संभागायुक्त कार्यालय में रबी 2025-26 एवं खरीफ 2026 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कृषि विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी बोर्ड, पशुपालन विभाग, इंदौर दुग्ध संघ आदि विभागों द्वारा चलायी जा रही विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि किसान हमारा अन्नदाता है और यह वर्ष कृषि कल्याण वर्ष है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में किसानों के हित में विभिन्न प्रकार की योजनाएं चलायी जा रही है, इनका लाभ सभी किसानों को मिले। उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नवाचार का अधिक से अधिक प्रयोग किया जाए। किसानों को समय पर उर्वरक मिले, मानक स्तर के बीज उपलब्ध कराया जाए तथा मत्स्य पालन को बढ़ावा दिया जाए।

बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयसीमा में समन्वय के साथ कार्य करें। अधिकारी मैदान पर जाकर सतत् निगरानी रखें। कार्य में अनुशासनहीनता नहीं बरते। उन्होंने इंदौर दुग्ध संघ के अधिकारियों को कहा कि वे घर-घर जाकर दूध उत्पादकों से दूध का संग्रहण करें। दूध उत्पादकों को समय पर भुगतान करें। दुधारू पशुओं की संख्या बढ़ाने के लिए राज्य शासन द्वारा चलायी जा रही डॉ. भीमराव अम्बेड़कर कामधेनु योजना का ठीक से प्रचार-प्रसार करें। इस योजना में किसानों को शासकीय अनुदान का प्रावधान है और इसके लिए बैंकों द्वारा चयनित प्रकरणों को ऋण भी प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सहकारिता विभाग किसानों को समय पर ऋण उपलब्ध करायें, ताकि वे अधिक से अधिक लाभ ले सकें।

बैठक में संयुक्त आयुक्त विकास श्रीमती शिवानी वर्मा सहित कृषि विभाग, भारतीय कपास निगम लिमिटेड, उद्योग विभाग, राज्य तिलहन उत्पादक संघ, बीज निगम, मत्स्य विभाग, सहकारिता विभाग, मण्डी बोर्ड, पशुपालन विभाग, इंदौर दुग्ध संघ आदि विभागों के संयुक्त संचालक, सहायक संचालक एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में बताया गया कि इंदौर सहकारी दुग्ध संघ द्वारा अब तक 232 नई समितियों का गठन किया गया है। साथ ही 9 मिल्क रूट प्रारंभ किए गए है। संघ द्वारा भारत सरकार की एनपीडीडी परियोजना के अंतर्गत दूध की गुणवत्ता को बनाये रखने के लिए बीएमसी की स्थापना की गई है। संघ द्वारा एनपीडीडी परियोजना के अंतर्गत नवीन दुग्ध समिति का गठन कर आधुनिक दूध परीक्षण उपकरण उपलब्ध कराये जा रहे है। बैठक में बताया गया कि मण्डी बोर्ड में ई-अनुज्ञा प्रणाली संचालित की जा रही है, जिसमें किसान की एंन्ट्री से लेकर अनुबंध तौल से लेकर ब्रिकी प्रमाणक आदि कार्य शामिल है। मण्डी बोर्ड में एमपी फार्म गेट के तहत एंड्रॉयड आधारित एप्लीकेशन है, जिससे किसानों को अपनी कृषि उपज सीधे अपने घर या खलिहान से बेचने की सुविधा प्रदान के उद्देश्य से बनायी गई है। इस ऐप को लॉन्च करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। इस नवाचार को भारत सरकार सहित अन्य राज्यों ने सराहा है और अन्य राज्य भी इस प्रणाली को अपनाने हेतु रुचि दिखा रहे है। वर्तमान में यह ऐप प्रदेश की सभी 259 कृषि उपज मण्डी में संचालित हो रहा है। अब तक इस ऐप के माध्यम से 137.54 लाख मैट्रिक टन कृषि उपज का विक्रय किया जा चुका है।

इंदौर में जर्जर भवनों पर निगम की कार्रवाई, 3 भवनों के खतरनाक हिस्से हटाए

आदित्य शर्मा

इंदौर नगर निगम ने शहरवासियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए झोन-02 क्षेत्र में जर्जर एवं दुर्घटना संभावित भवनों पर रिमूवल कार्रवाई की। आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देश पर जवाहर मार्ग स्थित दो अत्यंत जर्जर भवनों को पूरी तरह हटाया गया, जबकि एक भवन की खतरनाक गैलरी और पैरापेट वॉल को हटाया गया। निगम अधिकारियों ने बताया कि शहर में चिन्हित जर्जर भवनों का सर्वे कर लगातार कार्रवाई की जा रही है, ताकि संभावित हादसों को रोका जा सके और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की पहल

बिल्डर्स और स्व-सहायता समूहों से निगम की बैठक

आदित्य शर्मा

इंदौर जल संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप प्रदान करने के उद्देश्य से नगर निगम इंदौर द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत रेनवाटर हार्वेस्टिंग एवं रिचार्ज शाफ्ट के माध्यम से भूजल स्तर बढ़ाने हेतु आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा सिटी बस कार्यालय में स्व सहायता समूहों, कॉलोनाइजरों एवं बिल्डर्स के साथ बैठक आयोजित की गई। इंदौर में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने निर्माणाधीन आवासीय एवं व्यावसायिक परियोजनाओं में रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से विकसित करने तथा अनुपयोगी बोरवेलों को रिचार्ज शाफ्ट में परिवर्तित करने की बात कही।

बैठक में जल संरक्षण को जनआंदोलन बनाने, भूजल स्तर बढ़ाने और नागरिक सहभागिता बढ़ाने पर चर्चा हुई। स्व-सहायता समूहों और बिल्डर्स ने अधिक से अधिक रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने तथा लोगों को जागरूक करने का आश्वासन दिया।

प्राध्यापक संघ ने चेताया

मांगें पूरी नहीं हुईं तो 1 जुलाई से होगा चरणबद्ध आंदोलन

सह संपादक -अनिल चौधरी

इंदौर। शासकीय मोतीलाल विज्ञान महाविद्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में शनिवार को प्रांतीय शासकीय महाविद्यालयीन प्राध्यापक संघ की साधारण सभा की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रदेशभर से आए लगभग 200 प्राध्यापकों ने भाग लिया तथा शिक्षकों की विभिन्न लंबित एवं ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।

बैठक में प्रमुख रूप से वर्ष 2004 एवं 2005 में नियुक्त बैकलॉग सहायक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि नियुक्ति तिथि से दो वर्ष पूर्ण होने के पश्चात समाप्त मानते हुए उन्हें कैरियर पदोन्नति का लाभ देने, क्रीड़ा अधिकारियों एवं ग्रंथपालों को शिक्षक पदनाम तथा पे-मैट्रिक्स लेवल-14 का लाभ प्रदान करने, वर्ष 2017 में नियुक्त सहायक प्राध्यापकों को समय पर कैरियर प्रोन्नति देने तथा वर्ष 2003, 2011 एवं 2017 की चयन प्रक्रियाओं से संबंधित शेष परीक्षाओं को शीघ्र पूर्ण करने की मांग उठाई गई।

इसके अतिरिक्त सेवानिवृत्त शिक्षकों के समस्त स्वत्वों एवं देयकों का शीघ्र भुगतान करने तथा सामान्य प्रशासन विभाग के निर्देशानुसार प्रत्येक तीन माह में परामर्शदात्री समिति की बैठक नियमित रूप से आयोजित किए जाने की मांग भी की गई। सभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि उक्त मांगों के निराकरण हेतु राज्य शासन को विस्तृत ज्ञापन सौंपा जाएगा। साथ ही चेतावनी दी गई कि यदि 30 जून 2026 तक मांगों का समाधान नहीं किया गया तो प्रदेश के महाविद्यालयीन शिक्षक 1 जुलाई 2026 से चरणबद्ध आंदोलन प्रारंभ करेंगे।

आंदोलन के प्रथम चरण में 1 जुलाई से 15 जुलाई तक शिक्षक काली पट्टी बांधकर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए विरोध दर्ज कराएंगे। आंदोलन की आगामी रणनीति तैयार करने एवं उसके प्रभावी संचालन के लिए राज्य स्तरीय संघर्ष समिति के गठन का भी निर्णय लिया गया। बैठक में उपस्थित शिक्षकों ने विभागीय निष्क्रियता, लंबित प्रकरणों एवं प्रशासनिक उदासीनता पर गहरा असंतोष व्यक्त किया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षकों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान नहीं होने से पूरे प्रदेश में रोष व्याप्त है, जिसके कारण अब आंदोलन ही अंतिम विकल्प बचा है। बैठक में प्रांतीय अध्यक्ष आनंद शर्मा, संरक्षक प्रो. के.सी. त्यागी, इंदौर संभाग अध्यक्ष डॉ. मंजू शर्मा, डॉ. जी.आर. मोरे, डॉ. अशोक बरुआ, डॉ. संदीप गोहर, डॉ. पुष्पा मकवाना, डॉ. सीमावती सिसोदिया, डॉ. हेमा यादव, डॉ. यशवंत निंगवाल, डॉ. राजेंद्र कोचले, डॉ. मुकेश कुमार बड़ोले, डॉ. प्रकाश मोरे सहित प्रदेशभर से आए लगभग 200 प्राध्यापक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस पर इंदौर में व्यापक पौधारोपण

आदित्य शर्मा

इंदौर। इंदौर में विश्व पर्यावरण दिवस पर "एक पेड़ मां के नाम" और "एक बगिया मां के नाम" अभियान के तहत शहरभर में व्यापक पौधारोपण किया गया। अभियान में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आह्वान और मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की परिकल्पना को आगे बढ़ाते हुए जनप्रतिनिधियों, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों और नागरिकों ने सहभागिता की। कार्यक्रमों में मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, जनकार्य एवं उद्यान प्रभारी श्री राजेंद्र राठौड़ तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न स्थानों पर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संकल्प लेने का आह्वान किया।

शासकीय चरनोई भूमि से 35 दुकानों का अतिक्रमण हटाया गया

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को तहसील मल्हारगंज के ग्राम बांक में शासकीय चरनोई भूमि पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई सर्वे क्रमांक 182 एवं 187/1 की लगभग 1.500 हेक्टेयर भूमि पर की गई। कार्रवाई के दौरान टीन शेड से निर्मित गैरेज, ऑटो पार्ट्स तथा वाहन सर्विसिंग से संबंधित लगभग 35 दुकानों को हटाया गया। संबंधित भूमि को कलेक्टर इंदौर द्वारा धार रोड थाना, जनपद पंचायत इंदौर तथा फायर स्टेशन के लिए आवंटित किया गया है। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई प्रशासन, पुलिस एवं नगर निगम की रिमूवल टीम की संयुक्त उपस्थिति में संपन्न हुई।

संभागायुक्त डॉ. खाड़े की अध्यक्षता में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के क्रियान्वयन हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक सम्पन्न

आदित्य शर्मा

इंदौर। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में आज ठोस अपशिष्ट प्रबंधन अधिनियम -2026 के क्रियान्वयन हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पहली बैठक आयोजित हुई। बैठक में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स, नगरीय निकायों के सीएमओ एवं नगरीय निकायों के अध्यक्ष शामिल हुए। इंदौर संभागायुक्त कार्यालय के वीसी कक्ष से इंदौर अपर कलेक्टर श्री रोशन राय, उपायुक्त (राजस्व) श्रीमती सपना लोवंशी, संयुक्त आयुक्त (विकास) श्रीमती शिवानी वर्मा, नगरीय प्रशासन विभाग के संयुक्त संचालक श्री एस. के. सिन्हा, इंजीनियर श्री संजय कुमार, लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग के अधीक्षण यंत्री श्री सुनील उदिया, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी श्री सतीश कुमार चौकसे सहित संबंधित अधिकारी शामिल हुए। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर्स को निर्देश देते हुए कहा कि ठोस अपशिष्ट

प्रबंधन अधिनियम-2026 सुप्रीम कोर्ट के दिशा निर्देशों का पालन करना अतिआवश्यक है। इसको लेकर राज्य शासन से भी निर्देश जारी हुए है। इसी संदर्भ में पहली बैठक आयोजित की गई है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के लिए जिलों में विशेष प्रकोष्ठ का गठन करें। इसमें प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को भी शामिल किया जाएगा। वहीं इसकी नियमित समीक्षा करें तथा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बीच समन्वय स्थापित करने हेतु सैनेटरी लैण्ड फिल एवं सामान्य अपशिष्ट प्रसंस्करण एवं एकीकरण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही ठोस अपशिष्ट प्रबंधन की अवसंरचना की ऑडिट कराये तथा चिन्हित समस्याओं और निराकरण हेतु उठाये गए कदमों की निर्धारित समय सीमा में प्रेषित करें। बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि सभी कलेक्टर विशेष प्रकोष्ठ के गठन में किसी भी प्रकार की अनुपालनहीनता की रिपोर्ट जिला स्तर से संभाग को और फिर राज्य स्तर से सुप्रीम कोर्ट भेजी जाएगी। साथ ही प्रत्येक माह की प्रगति रिपोर्ट तैयार करें और संबंधी राज्य सचिवों को भेजे। सभी जिला कलेक्टर ठोस अपशिष्ट प्रसंस्करण एवं निपटान सुविधाओं की स्थापना हेतु उपयुक्त भूमिका का समयबद्ध चिन्हांकन एवं आवटंन सुनिश्चित करें तथा इस कार्य में स्थानीय निकायों को आवश्यक सहयोग प्रदान करें। संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि संभाग के सभी जिलों के मैरिज गार्डन और होटलों को चिन्हांकित करें, जहाँ से बड़ी मात्रा में ठोस अपशिष्ट निकलता है, ऐसे अपशिष्टों का निस्तारण वहीं पर किया जाए। उन्होंने आगे कहा कि ठोस अपशिष्ट के अवैध परिवहन एवं अनधिकृत रूप से डंपिंग करने वाले स्रोतों की पहचान की जाए। साथ ही ऐसे मामलों में दोषी वाहनों एवं उनके संचालकों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

बैठक में संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने कहा कि संभाग के सभी जिले अपने अधिकारिक वेबसाइट पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के संबंध में एक पृथक पृष्ठ विकसित करें, जिसमें समस्या, क्रियान्वयन की स्थिति तथा प्रगति का नियमित प्रदर्शन किया जाए। साथ ही सुधारात्मक कार्यों की फोटो अपलोड की करने की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मल्टी-टियर मॉनिटरिंग टास्क फोर्स समिति के आदेश के आधार पर विभिन्न अधिकारियों के दायित्व के क्रियान्वयन हेतु संभाग स्तरीय, जिला स्तरीय, निकाय और वार्ड स्तर पर समितियाँ गठित की जाए। संभागायुक्त डॉ. खाड़े ने सभी सीएमओ को निर्देश दिए है कि मानसून विलंब से आने की संभावना है। इसलिए जल परिवहन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। साथ ही उनकी निगरानी करते हुए पेयजल निर्बाध रूप से प्रदान किया जाए। गलियों, मोहल्लों और सड़कों पर विचरित करने वाले श्वानों के लिए आश्रय स्थल बनाये जाए।

कलेक्टर शिवम वर्मा ने राजस्व प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के दिए निर्देश

शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने और तालाबों के गहरीकरण पर विशेष ध्यान देने के भी दिए निर्देश

राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक संपन्न

आदित्य शर्मा

इंदौर। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्टर कार्यालय में राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व प्रकरणों के निराकरण की अधिकारीवार समीक्षा करते हुए कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि सभी राजस्व प्रकरणों का निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे शासकीय भूमि पर से अवैध अतिक्रमण और कब्जे को हटाए। अवैध कॉलोनियों

के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने तालाबों के गहरीकरण पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि राजस्व प्रकरणों के निराकरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुसार सुशासन व्यवस्था के तहत आमजन से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कर पारदर्शी एवं प्रभावी राजस्व प्रशासन सुनिश्चित करें। साथ ही चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में अविवादित एवं विवादित नामांतरण, बंटवारा तथा सीमांकन संबंधी प्रकरणों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने लंबित मामलों को शीघ्रता से निपटाने के निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक प्रकरण का निराकरण नियमानुसार और गुणवत्ता के साथ किया जाए।

इस अवसर पर जिले में संचालित राजस्व महाअभियान की प्रगति की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अभियान के अंतर्गत प्राप्त उपलब्धियों और लंबित कार्यों की जानकारी लेते हुए अभियान को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री वर्मा ने निर्देश दिए कि दर्ज प्रकरणों का निर्धारित समय अवधि में अनिवार्य रूप से निराकरण सुनिश्चित किया जाए। बैठक में उन्होंने स्वामित्व योजना और फार्मर रजिस्ट्री के संबंध में भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर श्री नवजीवन विजय पवार तथा श्री रोशन राय सहित अन्य राजस्व अधिकारी उपस्थित थे।

ब्रिक्स सम्मेलन की तैयारियों का आयुक्त ने लिया जायजा

आदित्य शर्मा

इंदौर। आगामी ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान इंदौर शहर में देश-विदेश से आने वाले अतिथियों के स्वागत, भ्रमण एवं शहर की समग्र व्यवस्थाओं को दृष्टिगत रखते हुए आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल द्वारा आज प्रात:काल शहर के प्रमुख पर्यटन, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों का विभागीय अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह, अपर आयुक्त श्री अभय राजनगांवकर सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने 56 दुकान, राजवाड़ा, ढक्कन वाला कुआं और ग्रामीण हाट बाजार सहित प्रमुख पर्यटन एवं सांस्कृतिक स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने सफाई, सौंदर्यीकरण, प्रकाश व्यवस्था, पार्किंग और आगंतुक सुविधाओं की समीक्षा कर अधिकारियों को सभी कार्य समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि देश-विदेश से आने वाले प्रतिनिधियों के समक्ष इंदौर की स्वच्छ और सुव्यवस्थित छवि प्रस्तुत की जा सके।

सहजयोग केन्द्र

आध्यात्मिक ज्ञान की निशुल्क कार्यशाला

हमारे जीवन में नियमित ध्यान धारणा की क्या जरूरत है, इसपर जरा सा विचार करें तो हमें स्वयं ही जवाब मिलेगा ईश्वर प्राप्ति के लिए या जीवन में शांति प्रस्थापित हो इसीलिए...सच है। आज आध्यात्मिक ज्ञान की बहुत ज्यादा आवश्यकता है साथ ही, यह भी सच है कि परमात्मा को जानने के जिज्ञासु बहुत कम हैं। धर्मस्थलों में दर्शनार्थ जाने वाले भक्तगणों की तादाद लगातार बढ़ रही है। परंतु अंतर्मन से ईश्वर के दर्शन के आकांक्षी अपेक्षाकृत बहुत कम है। वास्तव में, जो ईश्वर को अपने अंदर महसूस करना चाहते हैं वे साहसी हैं क्योंकि वे अपने अहंकार और क्रोध को परे रखकर ही यह आकांक्षा करते हैं। साथ ही सदुणों को अपने चरित्र का हिस्सा बनाने में भयभीत भी नहीं होते हैं। आज लोग यही समझते और मानते हैं कि सदुणों वाला व्यक्ति इस समाज में अथाह तकलीफ भोगता है। परंतु ईश्वर के साम्राज्य में प्रवेश करने के बाद भय नष्ट हो जाता है, यह हम अनुभव द्वारा ही जान सकते हैं। सहज योग ध्यान एक ऐसी विधा है जिसके माध्यम से हम बहुत सहजता से ईश्वर से एकाकारिता प्रस्थापित कर लेते हैं। भारत में ही नहीं विदेशों में भी लोगों ने ध्यान योग्य के महत्व को समझा है। ईश्वर के अस्तित्व और शक्ति को वे स्वीकार करते हैं। यहाँ तक कि वैज्ञानिक भी यह मानते हैं कि एक अदृश्य शक्ति है जिससे यह ब्रम्हांड चलायमान है। वो यह समझते हैं कि कभी कभी जहां मानव के सारे प्रयास अर्थहीन हो जाते हैं, वहाँ ईश्वरीय चैतन्य से उस काम को पूर्ण किया जा सकता है। भले ही उन्हें इस चैतन्य की अनुभूति ना हुई हो लेकिन फिर भी अपनी सफलता का श्रेय उस अज्ञात शक्ति देने में वे नहीं हिचकिचाते हैं।

कई बार अपनी सफलता पर हम स्वयं हतप्रभ रह जाते हैं कि यह कैसे हुआ जिसके लिए सोचा भी नहीं था, और यही उस शक्ति का अस्तित्व है। सहज योग ध्यान से हमें इस सत्यता का प्रमाण मिलता है। इस शक्ति को सहज योगी अपने ध्यान धारणा के दौरान अनुभव करते हैं। सहज योग सेंटर्स में प्रवेश करते ही हमें आध्यात्मिक युग में प्रवेश करने का बोध हमें होने लगता है। सहज योग सेंटर्स एक ही नियम से चलते हैं। पूरे संसार में सहज योग के जितने भी सेंटर्स हैं, हर जगह ध्यान करने की विधि एक ही है। हमारे अंदर स्थित सुक्ष्म शरीर की तीनों नाडियों को संतुलित करने का ज्ञान जो सहज योग के माध्यम से पंच तत्वों को साक्षी रखकर किया जाता है, वह अद्भुत है। हम भूतकाल की वेदनाओं और भविष्य की चिंताओं को बडी सहजता से धरती और आकाश तत्व में विलिन कर पाते हैं। सहज योग में प्रवेश हेतु दृढ़ इच्छाशक्ति की योग्यता चाहिए। यहाँ धन की आवश्यकता नहीं, प्रवेश पत्र की आवश्यकता नहीं, बस इच्छाशक्ति के साथ हम इस ज्ञान को प्राप्त करने के अधिकारी हो जाते हैं। सहज ज्ञान वृहद है। ध्यान सीखना आसान है। पर सूक्ष्मतम ज्ञान को आत्मसात करने हेतु सहज योग सेंटर्स से जुड़ना जरुरी है। छोटी से छोटी बातें भी गहन है। चक्रों का शरीर के संपूर्ण तंत्र प्रणाली पर नियंत्रण, चक्रों को संतुलित करने की विधि, और किस बीमारी के लिए किस चक्र पर ध्यान इत्यादि को सीखना ही आवश्यक है। सहज योग में पढाई तो नहीं करनी है परंतु सहज ज्ञान को समझना और आत्मसात करना है, जो कोई भी कर सकता है जिन्हें शब्द ज्ञान नहीं वो भी इसे समझ सकता है। तो चलिये आध्यात्मिक विज्ञान को सीखते हैं प्रवेश लेते हैं। सहज योग निशुल्क भी है और आसान भी *सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा वेबसाइट www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

घर पर सहज योग ध्यान कैसे करें

(स्टेप, बाय स्टेप)

यदि किसी कारणवश सेंटर जाने की असमर्थता हो तो हम घर बैठे भी आत्मसाक्षात्कार प्राप्त कर सकते हैं। इससे भी हमें सहज योग माध्यम से प्राप्त होने वाले चैतन्य की अनुभूति हो सकती है व नियमित ध्यान से गहनता भी प्राप्त हो सकती है। तो चलिये स्टेप बाय स्टेप ध्यान की प्रक्रिया को समझते हैं। सबसे पहले घर का एक शांत कमरा चुनें और जमीन पर या कुर्सी पर आराम से बैठें। हमें अपनी परमपूज्य माताजी श्री निर्मला देवी की एक फोटो को सामने रखना है। यदि फोटो नहीं है तो मोबाइल पर भी एक बार माँ को ध्यान से देखकर आंखें बंद कर लें। अपने हृदय में आदि शक्ति (श्री माताजी) का आह्वान करें, उनसे प्रार्थना करें कि,"हे परमपूज्य श्री माताजी कृपया मेरे हृदय मे आइये। माँ, मैं आत्मसाक्षात्कार पाना चाहता/चाहती हूँ। माँ मुझपर कृपा करें और मुझे मेरा आत्मसाक्षात्कार प्रदान कीजिये।"

अपना ध्यान अपने सिर के सबसे ऊपरी भाग (तालु) पर केंद्रित करें, जिसे योग की भाषा में सहस्त्रार कहते हैं। यदि विचार ज्यादा आयें तो श्वास प्रक्रिया पर ध्यान देना है, कुछ पल श्वास को रोक लेना है, विचार भी थम जायेंगे। ध्यान के स्टेप्स को पहले अच्छी तरह समझ लेना है फिर ध्यान शुरु करना है। ध्यान के दौरान दोनों हथेलियों की स्थिति पर ध्यान रखना है। हथेलियों व सिर के तालु भाग में दिव्य चैतन्य की अनुभूति होती है।

ध्यान के स्टेप्स इस प्रकार हैं:-

1) बायाँ हाथ गोद में खुला रखेंगे। अपना दाहिना हाथ अपने हृदय पर रखकर हम प्रार्थना करेंगे, "हे परमपूज्य श्री माताजी आपकी असीम कृपा में मैं एक पवित्र आत्मा हूँ।" (इसे सात बार दोहरायें)। हाथ ऐसे ही रखते हुए कुछ पल हृदय में ध्यान करेंगे।

2) दाहिने हाथ को धरती पर रखेंगे प्रार्थना करेंगे, "हे परमपूज्य श्री माताजी मेरे बांयी ओर की समस्त बाधाओं को धरा तत्व में खींच लें। मेरे बांयी नाडी को संतुलन प्रदान करें। हाथ ऐसे ही रखते हुए कुछ पल ध्यान करेंगे।

3) बांये हाथ को कोहनी से मोड़कर आकाश की ओर करेंगे। दाहिना हाथ खुला हुआ गोद में। प्रार्थना करेंगे," हे परमपूज्य श्री माताजी कृपा कर मेरी दाहिनी ओर की समस्त बाधाओं को आकाश तत्व में खीच लें। मेरी दाहिनी ओर की नाड़ी को स्वच्छ कर दें।" कुछ पल इसी स्थिति में ध्यान करेंगे।

4) दाहिना हाथ अपने माथे पर रखते हुए अपने सिर को श्रृद्धापूर्वक सामने की ओर झुकायेंगे। प्रार्थना करेंगे, "हे परमपूज्य श्री माताजी मैंने सभी को क्षमा कर दिया है, मैंने स्वयं को भी क्षमा कर दिया है।" इसी अवस्था में कुछ देर ध्यान करेंगे।

5) अपने दाहिने हाथ को अपने सिर के उपर तालु भाग पर रखेंगे। प्रार्थना करेंगे, "हे परमपूज्य श्री माताजी हमें हमारा आत्मसाक्षात्कार प्रदान करे।" हथेली को अपने तालु भाग पर गोल गोल घुमाते हुये इस प्रार्थना को सात बार दोहरायेंगे। हाथ को एक दो बार तालु भाग में उपर नीचे करते हुये चैतन्य की अनुभूति लेने का प्रयास करेंगे। धीरे से अपनी दोनों हथेलियों को आकाश की ओर करके अपनी गोद में रखेंगे। अपनी हथेलियों या सिर के ऊपर एक ठंडी हवा (डिवाइन वाइब्रेशन) का अनुभव करने का प्रयास करेंगे। किसी भी बात का विचार न करेंगे (निर्विचारिता)। बस शांत रहेंगे और इस दिव्य प्रेम (परम ऊर्जा) को महसूस करेंगे। सहजयोग का अनुभव सामूहिक ध्यान में सबसे अच्छा होता है। अतः विस्तार से सहज योग को जानने हेतु और आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं।

खौड़ पुलिस की बड़ी दबिशः 63 लीटर देशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

7 पेटी शराब जब्त, कीमत 35 हजारः नीरज लोधी भेजा गया जेल

अतुल जैन

पिछोर। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में चल रहे अवैध शराब विरोधी अभियान के तहत खौड़ चौकी पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

थाना भौंती अंतर्गत चौकी खौड़ पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 63 लीटर अवैध देशी प्लेन शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की कीमत करीब 35 हजार रुपये आंकी गई है।

ऐसे पकड़ा गया तस्कर

दिनांक 07 जून 2026 को चौकी प्रभारी उनि कुसुम गोयल को सूचना मिली कि ग्राम पिपारा मजरा किररुआ निवासी नीरज लोधी भारी मात्रा में अवैध शराब लेकर कहीं जाने की फिराक में है। सूचना पर तत्काल टीम गठित कर घेराबंदी की गई। तलाशी के दौरान आरोपी नीरज पिता हरीकिशन लोधी उम्र 25 साल के कब्जे से दो प्लास्टिक के कट्टे बरामद हुए।

कट्टों में छिपाकर रखी थी 7 पेटी

पहले कट्टे में 4 और दूसरे में 3 गत्ते के कार्टून मिले। कुल 7 कार्टून में 50-50 क्वार्टर के हिसाब से 350 क्वार्टर देशी मदिरा प्लेन भरे थे। प्रत्येक क्वार्टर 180 एमएल का था। इस प्रकार कुल 63 लीटर अवैध शराब विधिवत जब्त की गई। आरोपी के खिलाफ थाना भौंती में अपराध क्रमांक 182/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर माननीय न्यायालय पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

एसपी के निर्देशन में कार्रवाई

यह कार्रवाई एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन, एएसपी संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में की गई।

इनकी रही अहम भूमिका- इस कार्रवाई में थाना प्रभारी भौंती निरीक्षक घनश्याम भदौरिया, चौकी प्रभारी खौड़ उनि कुसुम गोयल, सउनि मुनेन्द्र सिंह भदौरिया, प्रआर प्रदीप गुर्जर, आरक्षक बृजेश महौर, सैनिक हनुमंत सिंह, सैनिक भागीरथ व सैनिक निकिल की सराहनीय भूमिका रही।

भिंड की बेटी के साथ दरिंदगी
विरोध में अजाक्स ने सौंपा ज्ञापन

दिव्यानंद अर्गल

ग्वालियर भिंड निवासी 15 वर्षीय अनुसूचित जाति वर्ग की नाबालिग बालिका के साथ हुए जघन्य अपराध को लेकर अजाक्स संगठन एवं अनुसूचित जाति-जनजाति समाज में भारी आक्रोश व्याप्त है।

इसी क्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं समाजजनों ने अनुविभागीय अधिकारी (एसडीएम) झांसी रोड अनिल राघव को मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की। इस घटना ने न केवल भिंड-ग्वालियर अंचल बल्कि पूरे प्रदेश को झकझोर कर रख दिया है तथा समाज में गहरा आक्रोश व्याप्त है। अजाक्स संगठन ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की कि इस जघन्य अपराध में शामिल सभी आरोपियों को शीघ्र सुनवाई कर फांसी की सजा दिलाई जाए। साथ ही पूरे मामले की उच्च स्तरीय एवं निष्पक्ष जांच कराई जाए व पीड़ित परिवार को पर्याप्त आर्थिक सहायता, सुरक्षा एवं निशुल्क कानूनी सहायता उपलब्ध कराने की भी मांग की। इसके अलावा अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के लोगों पर बढ़ रही अत्याचार की घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा ऐसे मामलों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों के खिलाफ भी अनुसूचित जाति-जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत कठोर कार्रवाई का प्रावधान किए जाने की मांग उठाई गई।

ज्ञापन में कहा गया कि संविधान में निहित समता, स्वतंत्रता और न्याय के मूल्यों की रक्षा के लिए सरकार को इस मामले में गंभीरता से विचार करते हुए त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई करनी चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान प्रांतीय सचिव होतम मौर्य, संभागीय अध्यक्ष के.वी. दोहरे, संभागीय संरक्षक शांति प्रकाश राजोरिया, संभागीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष तरुण राजोरिया, जिला अध्यक्ष विजय कुमार पिपरौलिया, वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष एन.डी. मौर्य, जिला उपाध्यक्ष वीरेंद्र जयंत, जिला सचिव राजेंद्र पक्षवार, डी.के. गांधी, होतम माथुर, रामोतार राजोरिया, कविलास उछवाल, ममता चोकोटिया, रामोतार मौर्य, करतार गोयल, राजेंद्र गौतम, मायाराम चौरसिया, विनोद दोहरे, दिनेश लोहिया, वीरेंद्र सौर्य (सचिव, अंबेडकर विचार समिति), वनवारी जाटव, वीरेंद्र सोनी सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित रहे।

माँ

माँ तुम प्यार हो, प्रीत हो,
हर रण में मेरी जीत हो।

माँ तुम सुबह की पहली किरण,
जीवन की सबसे सुंदर शरण।

माँ तुम शाम की शीतल छाँव,
तुमसे महके मेरा गाँव।

माँ तुम मेरी जान हो,
मेरे अस्तित्व की पहचान हो।

माँ तुम प्रकृति का विस्तार हो,
ईश्वर का साकार उपहार हो।

माँ तुम मेरी शान हो,
मेरे जीवन का सम्मान हो।

माँ तुम धरती, गंगा, गीता हो,
हर रिश्ते से बढ़कर सीता हो।

माँ तुम त्याग की मिसाल हो,
हर संतान का अभिमान हो।

माँ तुम तो सचमुच
महान हो, मेरे जीवन का सबसे
बड़ा वरदान हो।

- कवि गोपाल गावंडे
संपादक, रणजीत टाइम्स

सावधान रहो

जो लोग फँसाना चाहते हैं,
अपने जाल में उलझाना चाहते हैं,
जो लोग घेरकर वार करें,
मीठी बातों से व्यापार करें,

जो लोग आपका शिकार करें,
स्वार्थ के लिए प्यार करें,
ऐसे लोगों से रहना दूर,
मत मिलाना उनके सुर में सुर।

हर मुस्कान सच्ची नहीं होती,
हर दोस्ती अच्छी नहीं होती,
कुछ चेहरे नकाब पहनते हैं,
मौका देखकर रंग बदलते हैं।

सीखो "ना" भी कहना यार,
यही बनाता जीवन सशक्त और शानदार।
जहाँ जरूरी हो "हाँ" कहो,
जहाँ गलत लगे वहाँ "ना" कहो।

जो हर बात पर झुक जाता है,
वह अक्सर धोखा खा जाता है।
अपनी सीमा खुद तय करना,
हर रिश्ते को मत सिर पर धरना।

सम्मान करो, सम्मान लो,
पर अपने स्वाभिमान को कभी मत खो।
दुनिया में वही मजबूत कहलाता है,
जो सही समय पर इंकार भी कर पाता है।

इसलिए अपनी पहचान बनाओ,
सच और विवेक का दीप जलाओ।
जो फँसाना चाहें, उनसे दूर रहो,
अपने जीवन के स्वयं हुजूर रहो।
"हर किसी को खुश करना जरूरी नहीं
खुद को बचाकर रखना जरूरी है।"

कवि- गोपाल गावंडे

ई-टोकन प्रणाली की समस्या को लेकर देपालपुर एसडीएम कार्यालय पर पुजारियों का महा-धरना

दरबार सिंह ठाकुर

डॉ. रोहित बैरागी के नेतृत्व में प्रशासन को दी चेतावनी देपालपुर, मध्य प्रदेश: ई-टोकन प्रणाली में आ रही तकनीकी खामियों और पुजारियों को हो रही भारी परेशानियों के विरोध में आज देपालपुर एसडीएम कार्यालय परिसर में एक बड़ा धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया। श्री रामानंदी नवनिर्माण सेना के म.प्र. प्रदेश अध्यक्ष डॉ. रोहित बैरागी के कुशल नेतृत्व में बड़ी संख्या में जिले भर के पुजारी और पदाधिकारी एकत्रित हुए।

यदि निर्धारित समय सीमा में ई-टोकन की समस्या हल नहीं हुई, तो आगामी समय में आंदोलन को और अधिक उग्र रूप दिया जाएगा।

प्रशासन की मनमानी के खिलाफ हुंकार

सुबह 9:00 बजे से शुरू हुआ यह धरना प्रदर्शन कार्यालय के कार्य समय के अंत तक जारी रहा। प्रदर्शनकारियों का मुख्य मुद्दा ई-टोकन जनरेशन में आ रही निरंतर समस्या थी, जिससे पुजारियों को अपने दैनिक कार्यों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं में गंभीर बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था।

तहसीलदार का आश्वासन, जिम्मेदारी पर टिकी उम्मीद

लगातार घंटों चले विरोध प्रदर्शन के बाद, स्थानीय तहसीलदार महोदय ने प्रदर्शन स्थल पर पहुँचकर पुजारियों और पदाधिकारियों से चर्चा की। तहसीलदार ने समस्या की गंभीरता को समझते हुए आश्वासन दिया कि "ई-टोकन की समस्या का शीघ्र समाधान किया जाएगा और कल सुबह 9:00 बजे तक टोकन स्वतः ही जनरेट हो जाएंगे।" तहसीलदार ने इस कार्य को अपनी व्यक्तिगत जिम्मेदारी बताते हुए पुजारियों को आश्वस्त किया, जिसके बाद धरना प्रदर्शन समाप्त किया गया।

प्रमुख हस्तियों की उपस्थिति

इस आंदोलन को सफल बनाने और पुजारियों की आवाज बुलंद करने के लिए कई प्रमुख समाज सेवी और पदाधिकारी मौजूद रहे: म, रवि जी गोस्वामी राष्ट्रीय गौ रक्षा प्रदेशउपाध्यक्ष बजरंग दल गौ सेवा प्रमुख देपालपुर- महंत राजेंद्र जी (संभाग अध्यक्ष, केसरिया हिंदू वाहिनी, इंदौर) राहुल बैरागी (जिला अध्यक्ष, श्री रामानंदी नवनिर्माण सेना, इंदौर) जितेंद्र जी वैष्णव, अशोक जी, महंत कमल दास जी बैरागी (खंजरपूरा),एवं अन्य गणमान्य पुजारी गण। डॉ. रोहित बैरागी ने स्पष्ट चेतावनी दी है।

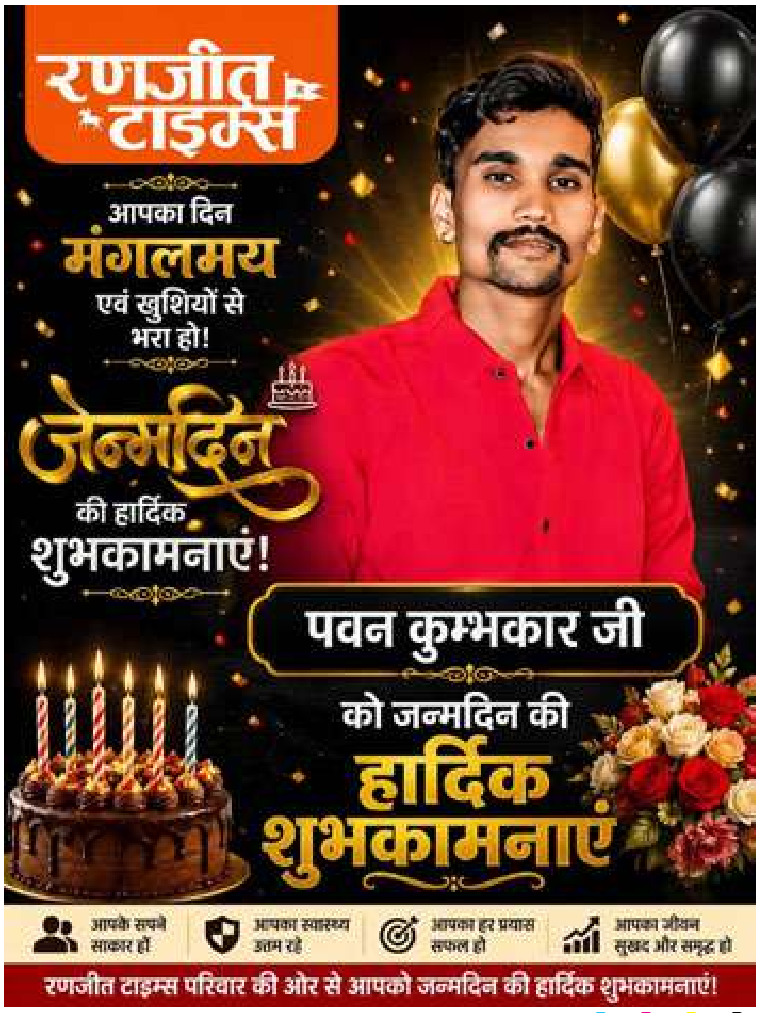

कार्यालय नगर पालिका परिषद, झाबुआ (म.प्र.)

क्रमांक / 2055 / न.प./ 2026 झाबुआ, दिनांक 03 / 06 / 2026

:: जाहिर सूचना ::

एतद द्वारा सर्व साधारण को जाहिर सूचना के जरिये सूचित किया जाता है कि इस निकाय को आवेदकों/केताओं/ हस्तांतरिती द्वारा भवन/खंडहर/प्लॉट पर पंजीकृत विक्रय पत्र/वंशानुक्रम/वसीयतनामा के आधार पर कर उददेश्य से नामांतरण आवेदन पत्र मय दस्तावेज के उसे अपने स्वामित्व के लिए म.प्र. नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 के अंतर्गत नामांतरण हेतु न.पा. राजस्व रिकॉर्ड में प्रविष्टि ई-नगर पालिका पोर्टल पर किये जाने हेतु प्राप्त हुए है। अतएव किसी भी व्यक्ति / जनसाधारण को प्रकरण मे कोई आपत्ति हो तो जाहिर सूचना के प्रकाशन दिनांक से 07 दिवस की अवधि के पूर्व प्रकरण मे आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है बाद समयावधि के प्रकरण मे कोई आपत्ति मान्य / श्रवण योग्य नही होगी तथा हस्तांतरिती/आवेदक/केता का नाम नियमानुसार न.पा. राजस्व रिकॉर्ड/ई-नगर पालिका पोर्टल पर प्रविष्टि कर अंकित किया जावेगा।

क्र.	हस्तांतरणकर्ता का नाम	हस्तांतरिती का नाम	संपत्ति कहाँ पर स्थित हैं व वार्ड क्रमांक	हस्तांतरण का आधार
01	02	03	04	05
01	मोहम्मद एजाज शेख पिता गफूर मोहम्मद शेख	मोहम्मद जाकीर पिता मोहम्मद गफूर शेख	वार्ड क्रमांक 02 कैलाश मार्ग भवन क्रमांक 8/2	दान पत्र, नजूल नामांतरण आदेश छायाप्रति
02	संदीप पाल पिता रामचन्द्र पाल एवं राखी पति संदीप पाल	यश राठौर पिता राजेश राठौर	वार्ड कमांक 09 मालीशेरी भवन क्रमांक 192/2	बिक्री पत्र एवं खाता खसरा नकल छायाप्रति बिकी
03	दिनेश डामोर पिता प्रकाश डामोर	शरमा वास्केल पति पारसिंह वास्केल	वार्ड क्रमांक 13 माधोपुरा भूखंड क्रमांक 113/5	पत्र, डायवर्सन आदेश छायाप्रति
04	मोहन भील पिता भुरा भील	पारसिंह वास्केल पिता रतनसिंह वास्केल	वार्ड क्रमांक 13 माधोपुरा भुखण्ड क्रमांक 112/8	बिक्री पत्र, डार्वयसन आदेश छायाप्रति
05	मोहन भील पिता भुरा भील	पारसिंह वास्केल पिता रतनसिंह वास्केल	वार्ड क्रमांक 13 माधोपुरा भुखण्ड क्रमांक 112/9	बिक्री पत्र, डार्वयसन आदेश छायाप्रति
06	मदलेन पति स्व. फ्रांसीस वाखला, दिपक एवं सुनिल पिता स्व. फांसीस वाखला	सोमसिंह भुरिया पिता वरसिंह भुरिया	वार्ड क्रमांक 16 उदयपुरिया भूखंड क्रमांक210/11	बिक्री पत्र एवं खाता खसरा नकल छायाप्रति
07	मेहताबसिंह पिता छतरसिंह धारवा	प्रमिला बेवा मेहताबसिंह धारवा एवं यश कुमार पिता मेहताबसिंह धारवा	वार्ड क्रमांक 13 किशनपुरी भूखंड क्रमांक 221	मृत्यु प्रमाण-पत्र, पूर्व बिकी पत्र एवं तहसील नामांतरण आदेश छायाप्रति
08	जयश्री पति किशोर पाटिल एवं किशोर पिता भिला पाटिल	सोमील पिता सुरेशचंद्र जैन	वार्ड क्रमांक 16 उदयपुरिया भूखंड क्रमांक 35/3	बिक्री पत्र एवं तहसील नामांतरण आदेश छायाप्रति
09	प्रमिला बेवा मेहताबसिंह धारवा एवं यश कुमार पिता मेहताबसिंह धारवा	ओरपा पति प्रतापसिंह पचाया	वार्ड क्रमांक 13 किशनपुरी भूखंड क्रमांक 221	बिक्री पत्र एवं खाता खसरा नकल छायाप्रति
10	बेनेडिक मेडा पिता देवीसिंह मेडा	डेंविड भूरिया पिता पुरसन भूरिया	वार्ड क्रमांक 13 माधोपुरा भूखंड कमांक 77/5	बिक्री पत्र एवं डायवर्सन आदेश छायाप्रति

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका झाबुआ (म.प्र.)
झाबुआ, दिनांक 03 / 06 / 2026

बरसों हो गए आपको जानते हुए, लेकिन आज तक आपका दिल बदलते नहीं देखा

वही अपनापन, वही दूसरों के लिए सोचने की आदत, वही बिना किसी स्वार्थ के सबका साथ देने का भाव। आज के समय में लोग सफल होने के बाद बदल जाते हैं, लेकिन आपने हर मुकाम पर पहुँचकर भी अपने संस्कार और सरलता को नहीं छोड़ा।

शायद यही बात आपको सबसे अलग बनाती है। दिल से यही कामना है कि आप सफलता की हर ऊँचाई को छुएँ। आपकी खुशियों के लिए सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि वे सैकड़ों परिवार भी दुआ करते हैं जिनके लिए आप एक उम्मीद, एक सहारा और एक भरोसा हैं।

ईश्वर आपको हमेशा स्वस्थ, खुश और सम्मानित रखे। आपकी तरक्की देखकर सच में गर्व होता है-

रेणु केथवास

09 जून को मेघनगर में आयोजित हुई विकासखण्ड स्तरीय जनसुनवाई

सलीम हुसैन

झाबुआ। कलेक्टर डॉ. योगेश तुकाराम भरसट के निर्देशानुसार जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण एवं शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 09 जून 2026 को प्रातः 11 बजे से सांदीपनि स्कूल मेघनगर में विकासखण्ड स्तरीय जनसुनवाई आयोजित की ।

जनसुनवाई में विभिन्न विभागों के

अधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा नागरिकों द्वारा प्रस्तुत शिकायतों, समस्याओं एवं मांगों से संबंधित आवेदनों पर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनहितैषी एवं कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान कर पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने संबंधी गतिविधियां भी आयोजित की जाएंगी। जिला प्रशासन ने विकासखण्ड मेघनगर के नागरिकों से अपील की है कि वे जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपनी समस्याओं एवं आवश्यकताओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत करें तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर उनका लाभ लें।

स्व. जगन्नाथ जी पाण की धर्म पत्नि एवं मदनलाल, मोहनलाल, दिनेश की माता जी एवं महेश, निलेश, राधेश्याम, पारस, जिवन की पूज्य दादीजी कमलाबाई पाण का स्वर्गवास दिनांक - 06/06/2026 हो गया। हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

राज्यसभा चुनाव हेतु भाजपा प्रत्याशी श्री Tarun Chugh जी एवं श्री Rajneesh Agrawal जी ने मध्य प्रदेश विधानसभा पहुँचकर अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। आप दोनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

चंदन नगर पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का किया पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। चंदन नगर पुलिस ने वाहन चोरी की घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार चोरी के दोपहिया वाहन बरामद किए हैं। आरोपियों द्वारा थाना चंदन नगर क्षेत्र से तीन तथा थाना एरोड्रम क्षेत्र से एक वाहन चोरी करना स्वीकार किया गया है। पुलिस आयुक्त संतोष सिंह के निर्देश एवं पुलिस उपायुक्त जोन-4 सुनील मेहता के मार्गदर्शन में शहर में वाहन चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना चंदन नगर पुलिस को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली।

पुलिस को लगातार दोपहिया वाहन चोरी की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। जांच के दौरान जानकारी मिली कि वाहन चोर चोरी के वाहनों को धार रोड के रास्ते धार, झाबुआ, अलीराजपुर और गुजरात क्षेत्र में बेचने का प्रयास करते हैं। इसके बाद पुलिस ने धार रोड स्थित नवादा पंथ क्षेत्र में रात्रिकालीन आउटर वाहन चेकिंग अभियान चलाया। दिनांक 6-7 जून की रात चेकिंग के दौरान दो संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने सूने स्थानों और पार्किंग क्षेत्रों में खड़े दोपहिया वाहनों के लॉक तोड़कर तथा डायरेक्ट वायर कनेक्शन के माध्यम से वाहन चोरी करना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान विकास गुर्जर (21) निवासी हरदा एवं वर्तमान निवासी नंदबाग इंदौर तथा सौरभ राजपूत (23) निवासी खंडवा एवं वर्तमान निवासी नंदबाग इंदौर के रूप में हुई है। आरोपियों की निशानदेही पर होंडा शाइन एसपी, हीरो स्प्लेंडर, रॉयल एनफील्ड बुलेट तथा एक एक्टिवा स्कूटर सहित कुल चार वाहन बरामद किए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे चोरी के वाहन अलीराजपुर और गुजरात क्षेत्र में बेचकर अपने शौक पूरे करते थे। पुलिस द्वारा आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड, सीसीटीवी फुटेज एवं अन्य तकनीकी साक्ष्यों की जांच की जा रही है। पुलिस को अन्य वाहन चोरी की वारदातों के खुलासे तथा और वाहनों की बरामदगी की भी संभावना है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी तिलक करोले, उप निरीक्षक सौरभ कुशवाह, एएसआई रविराज सिंह बैस सहित चंदन नगर थाना पुलिस की टीम की सराहनीय भूमिका रही

पहली ही बारिश ने खोली विकास के दावों की पोल

खकनार के चिड़ियामाल में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़े बिजली के खंभे और ट्रांसफार्मर

गरीब आदिवासीयो से वसूला गाड़ी का भाड़ा और मजदूरों की मजदूरी

महेन्द्र मालवीय

बुरहानपुरः- शासन-प्रशासन एक तरफ जहां सुदूर और पहाड़ी क्षेत्रों में रोशनी पहुंचाने के लिए लाखों-करोड़ों रुपए पानी की तरह बहा रहा है, वहीं दूसरी तरफ धरातल पर बैठे कुछ ठेकेदारों की लापरवाही और कथित मनमानी के चलते सरकार की इन जनहितैषी योजनाओं को पलीता लगाया जा रहा है। ऐसा ही एक झकझोर देने वाला मामला बुरहानपुर जिले की खकनार तहसील के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत चिड़ियामॉल के '12 नंबर गेट' के पास स्थित पहाड़ी क्षेत्र से सामने आया है। यहां लगभग एक महीना पहले लगाए गए बिजली के पोल और ट्रांसफार्मर पहली ही बारिश का लोड भी नहीं सह पाए और भरभरा कर जमींदोज हो गए।

मात्र 1 से 2 फीट गहरे गड्ढे, गुणवत्ता पर खड़े हुए गंभीर सवाल

विभागीय नियमों और तकनीकी मापदंडों के अनुसार, लगभग 25 से 30 फीट लंबे और करीब 2 क्विंटल वजनी बिजली के भारी-भरकम पोल को मजबूती से खड़ा करने के लिए मानक कम से कम 4 से 5 फीट गहरा गड्ढा खोदा जाना अनिवार्य है। लेकिन ग्राम चिड़ियामॉल के इस पहाड़ी इलाके में ठेकेदार के लोगों द्वारा कथित रूप से महज 1 से

2 फीट गहरा गड्ढा खोदकर पोल खड़े कर दिए गए। नतीजा यह हुआ कि जून माह की पहली मानसूनी बारिश और हवा के झोंके को भी ये पोल बर्दाश्त नहीं कर सके। कई पोल उखड़ गए तो कुछ बीच में से ही टूट गए, जो काम की घटिया गुणवत्ता को साफ बयां कर रहे हैं। गनीमत रही कि उस वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था, वरना कोई बड़ा हादसा भी हो सकता था।

"हमसे भाड़ा लिया, मजदूरी भी कराई और मुर्गे भी ले गए"-ग्रामीणों का फूटा दर्द

इस पूरे मामले में सबसे हैरान करने वाला पहलू आर्थिक और व्यावहारिक शोषण का है। जब इस संबंध में स्थानीय ग्रामीण आदिवासियों से बात की गई, तो उनका दर्द छलक उठा।

राम जायसवाल ग्रामीण : "साहब, हमसे कहा गया कि तुम्हें 24 घंटे बिजली मिलेगी। इसके बदले में सभी क्षेत्र वासियों गरीब आदिवासीयो सेबिजली के पोल और ट्रांसफार्मर लाने-ले जाने का भाड़ा

वसूला गया। इतना ही नहीं सहयोग के नाम से , हमसे भी काम करवाया पोल खड़े करवाए, लेकिन हमें हमारी मजदूरी का एक रुपया नहीं दिया गया। उल्टा काम अच्छा करने और जल्दी बिजली चालू करने के नाम पर हमसे 8 से 10 मुर्गे लेकर पार्टी भी की गई

सुरेश ग्रामीण

"हम लोग आज भी अंधेरे में, दीपक और चिमनी की रोशनी में रहने को मजबूर हैं। सरकार जब पूरा पैसा दे रही है, पहले हम सभी से 500 - 500 रुपए लिए जिसके बाद हमसे मीटर लगाने के नाम पर भी 200-200 रुपए सभी से नगद क्यों लिए गए? ओर काम मजदूरों को मजदूरी भी हम सभी से की गई हमारे साथ धोखा हुआ है, पहली ही बारिश में सब गिर गया।"अब बारिश की फसल लगाने के लिए हमारा काम बहुत लेट हो रहा है जमीन तैयार नहीं कर पा रहे है I अब शासन ओर प्रशासन से ग्रामीण जल्दी इस दिक्कत से निजात दिलवाने की मांग कर रहे हैं I

बड़ा सवाल: जब सरकार दे रही है बजट, तो आदिवासियों से वसूली क्यों?

नियमों के मुताबिक, बिजली घर-घर पहुंचाने, पोल परिवहन करने और मजदूरों को भुगतान करने की पूरी राशि सरकार अपने कोटे से ठेकेदार को जारी करती है। ऐसे में इन गरीब और सीधे-साधे आदिवासियों से भाड़े, मजदूरी और मीटर के नाम पर की गई वसूली कई गंभीर सवाल खड़े करती है। अब देखना यह होगा कि इस मामले की जानकारी सामने आने के बाद विद्युत विभाग के उच्च अधिकारी और जिला प्रशासन इन ठेकेदारों के खिलाफ क्या रुख अपनाता है? क्या ऐसे ठेकेदारों का लाइसेंस निरस्त कर इन गरीब आदिवासियों को न्याय दिलाया जाएगा, या फिर इस भ्रष्टाचार पर पर्दा डाल दिया जाएगा? यह क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

क्या कहा विभागीय अधिकरी खकनार के राम पालवी ने

यह कार्य धरती आभा योजना अंतर्गत किया है ठेकेदार ने टूटा हुआ बताया गया है जबकि गड्ढे कम गड़े होने के कारण पोल उखड़ गए हैं जिसका काम सही नहीं हुआ है मैं खुद भी देखकर आया हूं जिसका भुगतान भी नहीं हुआ ओर सर्वे भी किया हुआ है उससे पहले ही सारे पोल गिर गए हैं और काम भी पूरा घटिया किया है अब उच्चाधिकारी से बात करता हूं फिर देखते हैं क्या कार्यवाही करना चाहिए I

रणजीत टाइम्स
साप्ताहिक अख़बार
इंदौर प्रति मंगलवार, 9 जून 2026
से 15 जून 2026 तक

रणजीत टाइम्स प्रधान संपादक गोपाल गावंडे को

मां करणी सेना में राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी की बड़ी जिम्मेदारी

इंदौर। देश की प्रतिष्ठित पत्रकारिता संस्था रणजीत टाइम्स के प्रधान संपादक एवं वरिष्ठ पत्रकार श्री गोपाल गावंडे को मां करणी सेना द्वारा राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया है।

यह नियुक्ति संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुंवर धर्मेंद्र सिंह गौतम द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के माध्यम से की गई है।

श्री गोपाल गावंडे पिछले कई वर्षों से पत्रकारिता, सामाजिक जागरूकता एवं राष्ट्रहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता, संगठनात्मक क्षमता एवं समाज के प्रति समर्पण को देखते हुए संगठन ने उन्हें यह महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा है। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी नियुक्त होने पर देशभर के पत्रकारों, सामाजिक संगठनों एवं शुभचिंतकों ने श्री गावंडे को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में मां करणी सेना की गतिविधियों एवं राष्ट्रहित के कार्यों का व्यापक प्रचार-प्रसार होगा।

इस अवसर पर श्री गोपाल गावंडे ने संगठन के राष्ट्रीय नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन द्वारा दिए गए दायित्व का पूर्ण निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे तथा संगठन की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करेंगे। रणजीत टाइम्स परिवार की ओर से श्री गोपाल गावंडे जी को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं।

रात के सन्नाटे में

अमोला थाने पहुंचे पिछोर एसडीओपी, पुलिस की नींद उड़ाई

अतुल जैन

12 CCTV चालू मिले, गश्त में ढिलाई पर फटकार: वारंट तामीली और अवैध धंधों पर कसे शिकंजे के निर्देश

पिछोर। "रात में पुलिस सोती है" वाली धारणा तोड़ने खुद पिछोर एसडीओपी प्रशांत शर्मा 08-09 जून की आधी रात थाना अमोला जा पहुंचे। पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर चल रहे औचक निरीक्षण अभियान के तहत एसडीओपी ने थाने की व्यवस्थाओं से लेकर रात्रि गश्त तक का बारीकी से जायजा लिया।

रात 12 बजे खुले रजिस्टर, हवालात खाली मिली

अचानक पहुंचे एसडीओपी को रात्रि दफ्तर ड्यूटी पर आरक्षक कुलदीप मुस्तैद मिला, जबकि हवालात पूरी तरह खाली थी। उन्होंने थाने के महत्वपूर्ण रजिस्टर पलटे, लंबित मामलों पर टीप अंकित की और थाना प्रभारी को वारंट तामीली में तेजी लाने की दो टूक हिदायत दी।

CCTV से लेकर सफाई तक परखी, गश्त को लेकर सख्त

निरीक्षण में थाने के सभी 12 सीसीटीवी कैमरे चालू हालत में मिले। एसडीओपी ने पूरे थाना परिसर का भ्रमण कर साफ-सफाई व्यवस्था देखी। इसके बाद रात्रि गश्त में लगे बल को तलब कर सख्त लहजे में कहा, "गश्त सिर्फ खानापूर्ति नहीं, अपराध रोकने का हथियार है। हर संदिग्ध वाहन और व्यक्ति की चैकिंग हो।"

अवैध कारोबारियों पर टेढ़ी नजर

एसडीओपी शर्मा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि क्षेत्र में शराब, जुआ-सट्टा व अन्य अवैध गतिविधियों में लिप्त एक भी व्यक्ति बख्शा न जाए। फरार वारंटियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा जाए। गौरतलब है कि एसपी यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देश पर जिले में रात के समय वरिष्ठ अधिकारी लगातार थानों का औचक निरीक्षण कर पुलिसिंग को अलर्ट मोड पर रख रहे हैं।

बीजेपी और संगठन आमने-सामने

इंदौर की घटना ने खड़े किए कई सवाल

राजेश धाकड़

इंदौर की राजनीति हमेशा से प्रदेश की राजनीति का आईना मानी जाती रही है। यहाँ संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की निष्ठा और भाजपा की अनुशासित कार्यशैली की मिसालें दी जाती रही है। लेकिन आज जो दृश्य देखने को मिला, उसने राजनीतिक गलियारों में एक नई बहस छेड़ दी है। सवाल केवल एक घटना का नहीं है, सवाल उस विचारधारा, उस संगठनात्मक संस्कृति और उस राजनीतिक चरित्र का है जिसके दम पर भारतीय जनता पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करती है।

क्या वास्तव में आज भाजपा वह भाजपा नहीं रही, जिसे कार्यकर्ता अपनी माँ समान मानते थे? क्या अब संगठन और सत्ता के बीच दूरी बढ़ती जा रही है? क्या कांग्रेस की राजनीति का प्रभाव अब भाजपा की कार्यशैली में भी दिखाई देने लगा है? ये प्रश्न आज आम कार्यकर्ता के मन में उठ रहे हैं। इंदौर में हुई घटना केवल एक स्थानीय विवाद नहीं है। यह उस अंदरूनी असंतोष की झलक है जो धीरे-धीरे जमीन पर दिखाई देने लगा है। कभी भाजपा में संगठन सर्वोपरि माना जाता था। कार्यकर्ता वर्षों तक बिना किसी पद की अपेक्षा के पार्टी के लिए काम करता था। लेकिन अब परिस्थितियाँ बदलती नजर आ रही हैं। सत्ता के केंद्र में बैठे कुछ नेता और पदाधिकारी शायद जमीन की वास्तविकता से दूर होते जा रहे हैं।

राजनीति में मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन जब संगठन और राजनीतिक नेतृत्व आमने-सामने दिखाई देने लगें तो यह केवल एक घटना नहीं रहती, बल्कि यह चेतावनी बन जाती है। भाजपा की सबसे बड़ी ताकत उसका अनुशासन और संगठनात्मक समर्पण रहा है। यदि वही कमजोर होने लगे तो चिंता होना स्वाभाविक है। आज कई पुराने कार्यकर्ता यह कहते दिखाई देते हैं कि पहले भाजपा में विचारधारा के लिए संघर्ष होता था, आज व्यक्तिवाद और गुटबाजी अधिक दिखाई देती है।

पहले कार्यकर्ता नेतृत्व तैयार करता था, अब कई जगह नेतृत्व अपने आसपास केवल समर्थकों की भीड़ तैयार करने में लगा है। यही कारण है कि जमीनी कार्यकर्ताओं की पीड़ा अब सार्वजनिक रूप से सामने आने लगी है। इंदौर की घटना ने यह भी साबित किया है कि सत्ता में लंबे समय तक बने रहने के बाद किसी भी राजनीतिक दल के भीतर आत्ममंथन आवश्यक हो जाता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिंटर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन 22 सेक्टर एफ सांवेर रोड़, इण्डस्ट्रीयल एरिया इंदौर म.प्र. एवं जी -1 कॉस्मिक रीजेंसी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर म.प्र. से प्रकाशित
संपादक गोपाल गावंडे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (सभी विवादो का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)